
Shri Hanumatstotram

श्री हनुमस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Hanumatstotram

File name : hanumatstotramshrIdharasvAmI.itx

Category : hanumaana, shrIdharasvAmI, stotra, aShTaka

Location : doc_hanumaana

Author : Shridharasvami

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnAkara

Acknowledge-Permission: Upendra Shripad Dasare, <https://shridharamrut.com>

Latest update : November 8, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 13, 2022

sanskritdocuments.org

Shri Hanumatstotram

श्री हनुमत्स्तोत्रम्



(प्रमाणािका वृत्तम्)

सुभ्रैकधाम भूषणम् मनोजगर्वभाण्डनम् ।

अनात्मधीविगर्दणम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ १ ॥

भवाम्भुधिं तितीर्षुभिः सुसेव्यमानमद्भुतम् ।

शिवावतारिणं परम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ २ ॥

गुणाकरं कृपाकरम् सुशान्तिदं यशस्करम् ।

निजात्मबुद्धिदायकम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ३ ॥

सदैव दृष्टभञ्जनम् सदा सुधर्मवर्धनम् ।

मुमुक्षुभक्तभञ्जनम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ४ ॥

सुरामपादसेविनम् सुरामनामगायिनम् ।

सुरामभक्तिदायिनम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ५ ॥

विरक्तमण्डलाधिपम् सदात्मवित्सुसेवितम् ।

सुभक्तवृन्दवन्दितम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ६ ॥

विमुक्ति विघ्ननाशकम् विमुक्ति भक्तिदायकम् ।

महाविरक्तिकारकम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ७ ॥

सुभयदेवमद्रथम् बृहत्त्वमेव तत् स्वयम् ।

एतीह षोडशं गुरुम् भजेऽहमञ्जनीसुतम् ॥ ८ ॥

विरक्तिमुक्तिदायकम् एभं स्तवं सुपावनम् ।

पठन्ति ये समादरात् न संसरति ते ध्रुवम् ॥ ९ ॥

॥ एति श्रीमत् परमहंसपरिप्राजकाचार्य सद्गुरु भगवता

श्रीधरस्वामिना विरचितं श्रीसमर्थरामदास स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

